□□□- 4
ज्ञानशाला
Hindi
कक्षा- 4
दिवस : 121- 184
सत्र : 2019-20
नाम
बस्ती

सुबह (कविता)
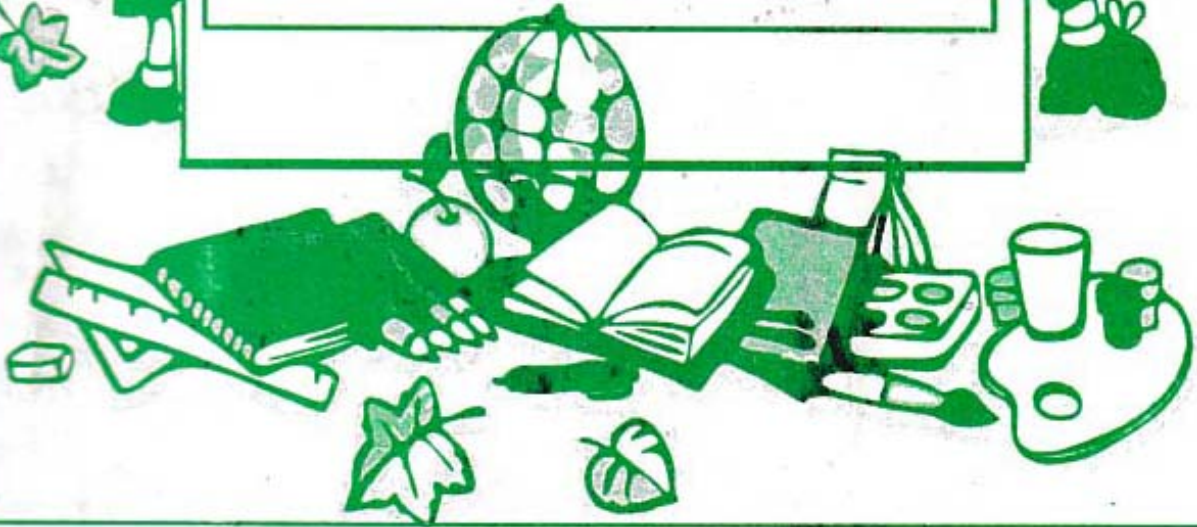
सूरज की किरणें आती हैं,
सारी कलियाँ खिल जाती हैं,
अंधकार सब खो जाता है,
सब जग सुंदर हो जाता है।

चिड़ियाँ गाती हैं मिलजुलकर
बहते हैं उनके मीठे स्वर,
ठंडी-ठंडी हवा सुहानी
चलती है जैसे मस्तानी।

यह प्रात: की सुख-बेला है,
धरती का सुख अलबेला है,
नई ताज़गी, नई कहानी,
नया जोश पाते हैं, प्राणी।

खो देते हैं आलस सारा,
और काम लगता है प्यारा,
सुबह भली लगती है उनको,
मेहनत प्यारी लगती जिनको।

मेहनत सबसे अच्छा गुण है
आलस बहुत बड़ा दुर्गुण है
अगर सुबह भी अलसा जाए,
तो क्या जग सुंदर हो पाए।

डॉ० श्री प्रसाद

सुबह (कविता)

कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

__________ की किरणें आती हैं,

सारी __________ खिल जाती हैं,

__________ सब खो जाता है,

सब जग __________ हो जाता है।
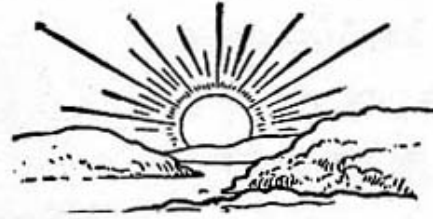
नीचे लिखी कविता की पंक्तियाँ पढ़िए तथा भावार्थ लिखिए-

सूरज की किरणें आती हैं,
सारी कलियाँ खिल जाती हैं।

भावार्थ-

अंधकार सब खो जाता है,
सब जग सुंदर हो जाता है।

भावार्थ-

चिड़ियाँ गाती हैं मिलजुलकर,
बहते हैं उनके मीठे स्वर।

भावार्थ-

दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर मूल शब्द से वाक्य बनाइए-

शब्द	अर्थ	वाक्य
अंधकार		
स्वर		
अलबेला		

कक्षा - 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक - | दिन - | दिवस -122

सुबह (कविता)

दिए गए शब्दों के विलोम लिखकर दोनों शब्दों से वाक्य बनाइए-

1. अंधकार-

2. मेहनती-

3. सुबह-

4. मीठा-

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. सूरज निकलने पर जग सुंदर क्यों दिखाई देने लगता है?

2. इस कविता में आलस को सबसे अच्छा दुर्गुण क्यों कहा गया है?

3. सुबह का समय आपको कैसा लगता है और क्यों? लिखिए-

सुबह (कविता)

यहाँ पर कविता की जिन पंक्तियों के अर्थ दिए गए हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए-

1. सुबह में सूरज निकलने से सबको सुख की अनुभूति होती है, उस समय धरती भी अनोखा सुख की अनुभूति करती है।

2. सुबह की शुरुआत सभी प्राणी नई ताजगी और नया जोश से करते हैं।

3. सुबह होते ही नया जोश के साथ चिड़ियाँ मिलजुलकर मीठी आवाज में चहचहाने लगती है।

शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-	शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-
सूरज-	अंधकार-
चिड़ियाँ-	आलस-
धरती-	सुंदर-
लड़का-	सुबह-

नीचे दी गई कविता को पढ़िए और नई कड़ियाँ जोड़कर आगे की कविता बनाइए-

रोज सुबह को सूरज आकर,
सबको सदा जगाता है।
शाम हुई लाली फैलाकर,
अपने घर को जाता है।

सुबह (कविता)

कविता में विशेषता बताने वाले निम्नलिखित रेखांकित शब्दों का प्रयोग किया गया है।
जग सुंदर, मीठे स्वर, ठंडी हवा, सुख बेला, अच्छा गुण आदि
नीचे लिखी चीजों की विशेषता बताने वाले शब्दों को सोचकर लिखिए-

________ हलवा	________ अचार	________ महल
________ रुई	________ मक्का की रोटी	________ फूल
________ आइसक्रीम	________ शेर	________ चाय

कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए-

1. यह प्रातः की .... ,
धरती का .... ,
नई ताज़गी, ... ,
नया जोश .... ।

'सुबह' कविता को कहानी के रुप में लिखने का कोशिश कीजिए-

ज्ञानशाला

हिन्दी

दिन-

दिवस- 125

चित्रवर्णन

कक्षा- 3 | ज्ञानशाला | हिन्दी
दिनांक- | दिन- | दिवस- 126

चित्रवर्णन
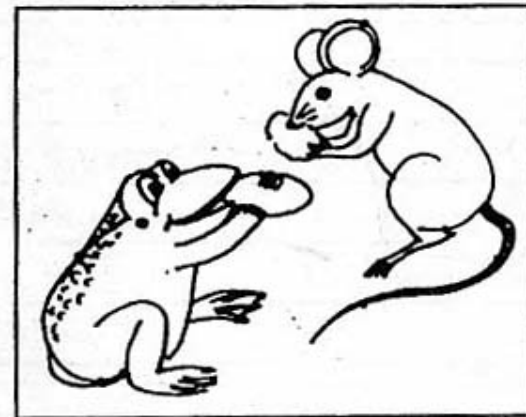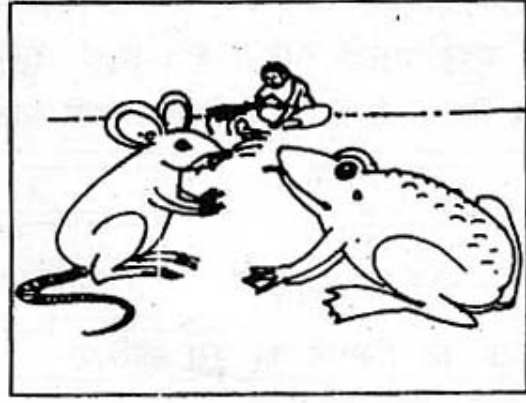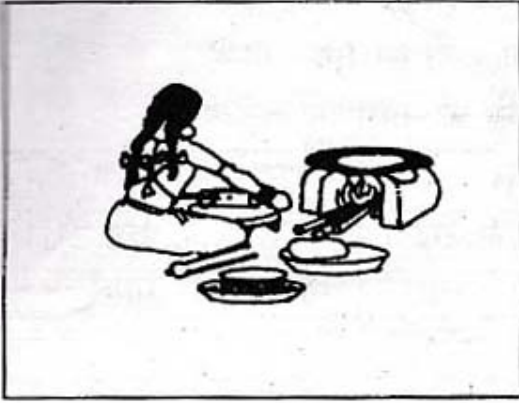
पिछले दिवस में दिए गए चित्र को देखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. दिया गया चित्र कहाँ का है?

2. चित्र में कौन-कौन दिखाई दे रहा है?

3. चित्र में क्या-क्या हो रहा है?

4. आप किस-किस चीज की रोटियाँ खाएं हैं? लिखिए

5. मेढक और चूहा के बीच क्या बातें हुई होगी?

6. लड़की और मेढक के बीच क्या बातें हुई होगी?

7. अगर आप लड़की की जगह होते तो क्या करते? लिखिए

चित्रवर्णन

दिवस–125 में दिए गए चित्र को देखकर कहानी बनाइए और उसका शीर्षक तय करके लिखिए–

कक्षा– 3 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक– | दिन– | दिवस– 128

चित्रवर्णन

चित्र आधारित कहानी लिखिए–

कक्षा– 3 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक– | दिन– | दिवस– 129

चित्रवर्णन

दिए गए चित्र को देखकर कहानी बनाइए और उसका शीर्षक तय करके लिखिए–

तीन बुद्धिमान (कहानी)
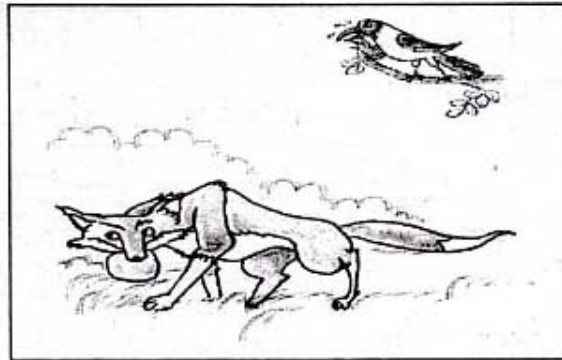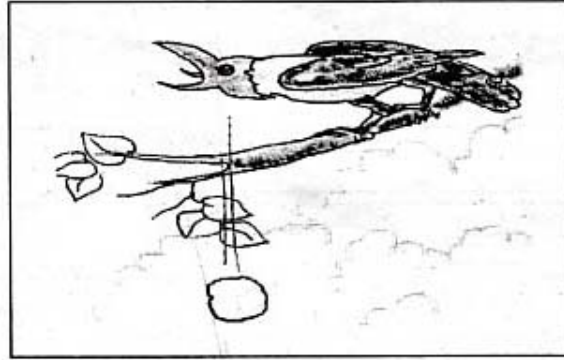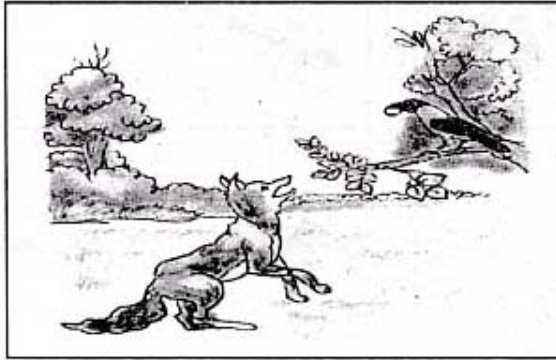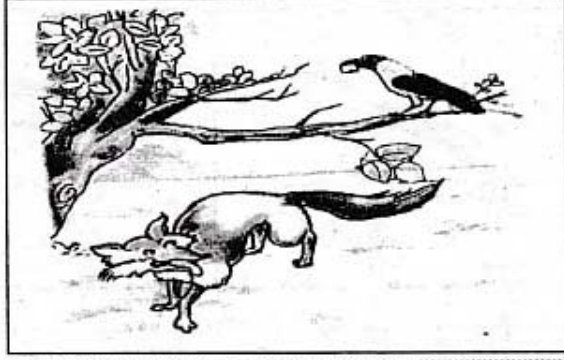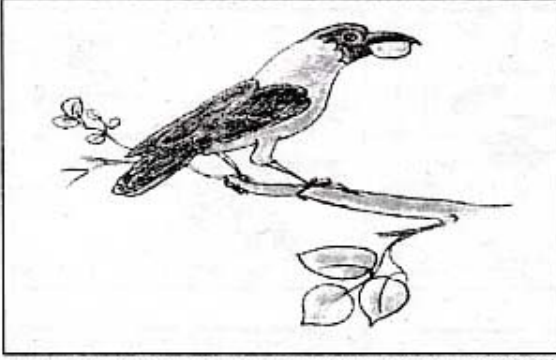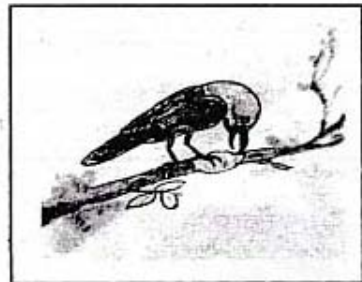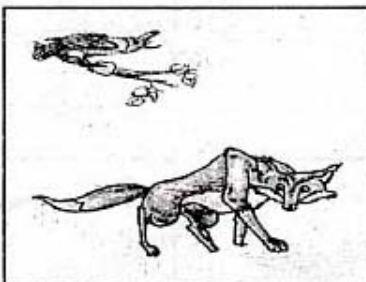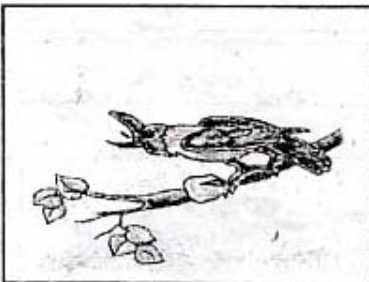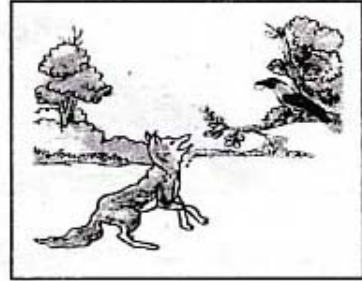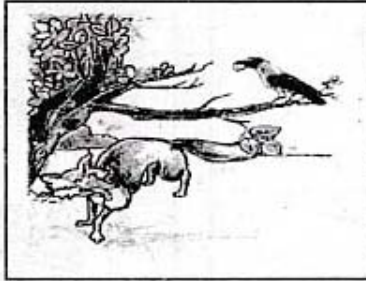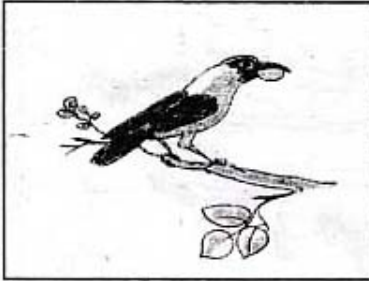
दृश्य-1

(गोपी, हरि और देव नगदहा गाँव के निवासी हैं। वे काम की तलाश में जयपुर नगर की ओर जा रहे हैं। इस समय वे नगर से थोड़ी ही दूरी पर हैं।)

गोपी : मित्रो! हम गाँव से इतनी दूर आ गए लेकिन अभी तक कोई काम नहीं मिला।

हरि : हाँ! एक सप्ताह पहले हम घर से निकले थे। अगर काम नहीं मिला, तो हम सब क्या करेंगे?

देव : घबराओ मत, हम तीनों जयपुर के राजा के पास जाएँगे। वे हमें कुछ काम ज़रूर देंगे।

गोपी : लेकिन राजदरबार तक पहुँचना कोई सरल काम नही है।

हरि : अरे, यह देखो! एक ऊँट इधर से कुछ देर पहले गया है। ज़मीन पर उसके पैरों के निशान दिखाई दे रहे हैं।

देव : चलो, चलते-चलते इनको ध्यान से देखेंगे। यात्रा में थकावट भी नहीं होगी और थोड़ा मनोरंजन भी हो जाएगा।

गोपी : (पैरों के निशान देखकर) इस ऊँट की एक विशेषता मैं बता सकता हूँ।

हरि : मैं भी इसके विषय में कुछ कह सकता हूँ।

देव : (हँसते हुए) मैं तुम दोनों से कुछ कम नहीं हूँ। आओ, इस पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर ऊँट के विषय में बातें करते हैं।

तीन बुद्धिमान (कहानी)

दृश्य-2

(तीनों पेड़ के नीचे बैठ जाते हैं। दूर से एक व्यक्ति भागता हुआ आ रहा है।)

: उधर देखो! एक आदमी हमारी ओर आ रहा है। लगता है, उसकी कोई मूल्यवान वस्तु खो गई है, जिसे वह ढूँढ़ रहा है।

गोपी : (उठकर व्यक्ति को देखते हुए) यह एक धनी व्यापारी है। इसने रेशम के वस्त्र पहन रखे हैं। बेचारा बहुत चिंतित है।

व्यापारीः (हाँफते हुए) नमस्कार सज्जनों! मेरा एक ऊँट खो गया है। क्या आप ने उसे कहीं देखा है?

हरि : नमस्कार मित्र क्या आपका ऊँट एक पाँव से लँगड़ा है?

व्यापारीः (प्रसन्न होकर) हाँ-हाँ! आप ठीक कह रहे हैं।

गोपी : क्या वह दाईं आँख से अंधा है?

व्यापारीः हाँ! लेकिन आप को यह सब कैसे पता? आपने अवश्य उसे देखा होगा।

देव : नहीं, हमने उसे देखा नहीं है। मै आपको यह भी बता सकता हूँ कि उस ऊँट की पूँछ छोटी है।

व्यापारीः अरे! यह भी सच है। ऊँट को देखे बिना आप उसकी सारी विशेषताएँ कैसे जान सकते हैं? मुझे विश्वास नहीं होता। आपने मेरा ऊँट किसी व्यापारी को बेच दिया है। मैं जयपुर के राजा से शिकायत करूँगा। वही इस समस्या का हल निकालेंगे। आप मेरे साथ चलिए।

हरि : हम निर्दोष हैं इसलिए हमें कोई चिंता नहीं। चलिए हमें राजमहल तक ले चलिए।

तीन बुद्धिमान (कहानी)

दृश्य–3

(व्यापारी के संग तीनों मित्र राजदरबार में पहुँचते हैं। राजा सिंहासन पर बैठे हैं। व्यापारी और तीनों मित्र राजा को प्रणाम करते हैं।

सिपाही : महाराज! यह व्यापारी कहता है कि इन तीनों यात्रियों ने रास्ते में इसका ऊँट चुरा लिया। लेकिन ये तीनों मित्र कहते हैं कि इन्होंने ऊँट को देखा तक नहीं। उसके पैरों के निशान देखकर ही उसके विषय में जानकारी प्राप्त की है।

राजा : (मुस्कुराते हुए) यह तो बहुत रोचक घटना है। ऊँट को देखे बिना उसकी विशेषताएँ कैसे ज्ञात हो सकती है?
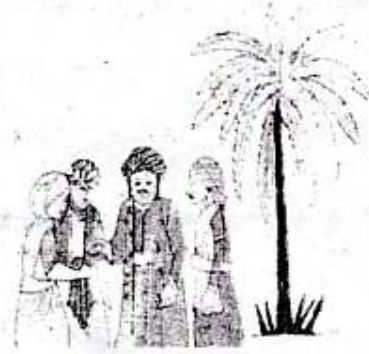
हरि : (प्रणाम करते हुए) महाराज! मैं आपको समझाता हूँ। जब मैंने ऊँट के पैरों के निशान देखे तो मुझे मिट्टी में केवल तीन पैरों के निशान दिखाई दिए। इस पर मैंने यह निष्कर्ष निकाला कि ऊँट एक पैर से लँगड़ा है।

राजा : (ताली बजाते हुए) वाह! तुम बहुत बुद्धिमान हो। (गोपी की ओर देखते हुए) अब तुम बताओ कि तुमने क्या देखा?

गोपी : (राजा को प्रणाम करते हुए) महाराज! मैंने देखा कि ऊँट ने केवल बाईं ओर लगे पेड़ों के पत्तों को खाया था। उसने दाईं ओर लगे पत्तों को छुआ तक नहीं। अतः मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि वह ऊँट दाईं आँख से अंधा है।

राजा : (प्रसन्न होकर) तुम भी बहुत चतुर हो। (देव से) अब तुम्हारी बारी है।

तीन बुद्धिमान (कहानी)

देव : (प्रणाम करते हुए) महाराज! मैंने ऊँट के पैरों के निशानों के पास रक्त की छोटी-छोटी बूँदें देखीं। मुझे अंदाज था कि उसके एक पैर में घाव है और उस घाव से ही खून की बूँदें गिरी हैं। मक्खियों को पूँछ से नहीं भगा पाने के कारण ही उसका घाव ठीक नहीं हो रहा होगा। वह पूँछ से उन्हें उड़ा देता, तो महाराज, मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि ऊँट की पूँछ छोटी है।

राजा : तुम तीनों की बातें सुनकर मुझे विश्वास हो गया है कि तुमने ऊँट को न तो देखा है, न ही चुराया है। तुम बहुत बुद्धिमान हो। अतः मैं तुम तीनों को अपने दरबार में मंत्री पद पर नियुक्त करता हूँ।

तीनों : (प्रसन्नतापूर्वक प्रणाम करते हुए) महाराज की जय हो!

तीन बुद्धिमान (कहानी)

ऊँट के पैरों की निशान को देखकर तीनों मित्र के बीच हो रहे संवादों को लिखिए-

गोपी -

हरि -

देव -

कहानी के सही वाक्यों के सामने (✓) और गलत वाक्यों के सामने (✗) का निशान लगाइए-

(क) तीनों मित्र काम की तलाश में रायपुर नगर जा रहे थे। ( )

(ख) हरि को सबसे पहले ऊँट के पैरों के निशान दिखाई दिए। ( )

(ग) व्यापारी ऊँट न मिलने के कारण चिंतित था। ( )

(घ) व्यापारी के संग तीनों मित्र बागीचे में पहुँचे। ( )

(ङ) राजा ने अपने दरबार में तीनों मित्र को मंत्री बना दिया। ( )

अगर आपको ऊँट वाली घटना के बारे में अपने मित्र को बताना हो, तो कैसे बताइएगा? संवाद लिखिए-

कक्षा– 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक– | दिन– | दिवस– 133

तीन बुद्धिमान (कहानी)
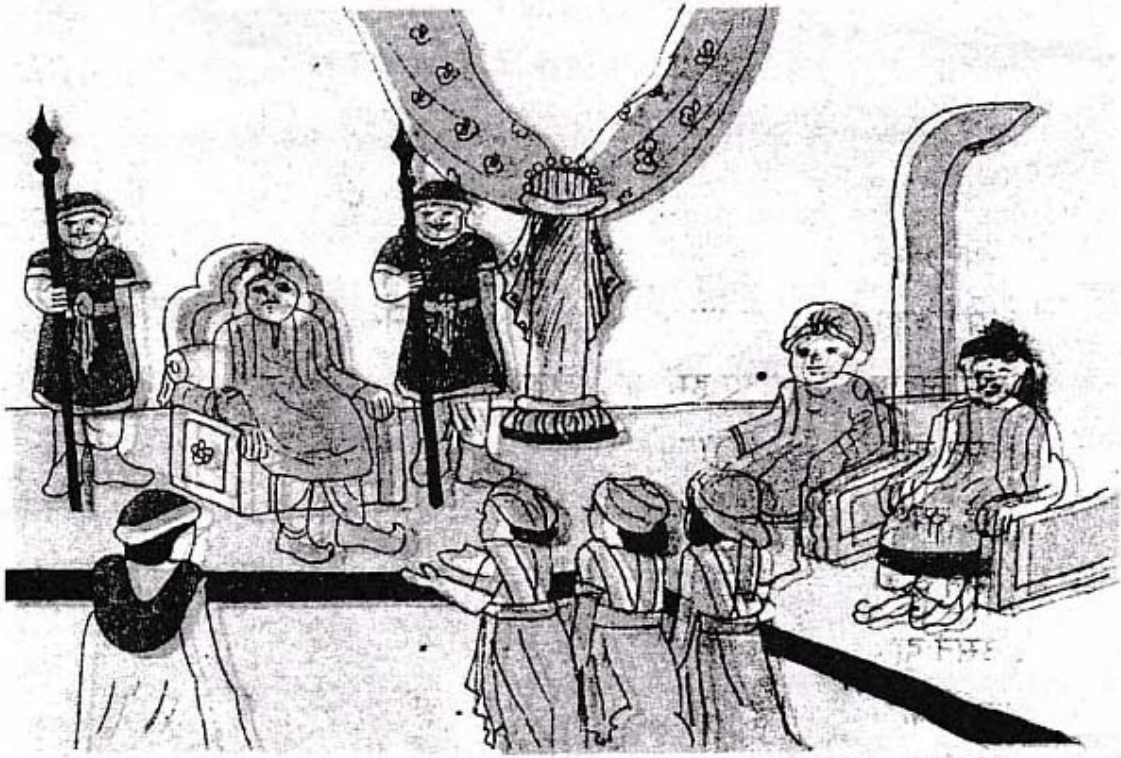
दिए गए शब्दों में से विशेषण और विशेष्य वाले शब्दों को छाँटकर उचित बॉक्स में लिखिए–

शब्द	विशेषण	विशेष्य
वस्त्र, मूल्यवान, छोटी, व्यापारी, रेशमी, लँगड़ा, ऊँट, पूँछ, धनी, बहुत, घटना, बुद्धिमान, वस्तु, रोचक		

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. तीनों मित्र का क्या नाम था और वे किस गाँव के निवासी थे?

2. ऊँट के पैरों की निशान को देखकर गोपी ने उसके बारे में क्या विशेषता बतलाया और क्यों?

3. व्यापारी के राजदरबार जाने का क्या कारण था?

तीन बुद्धिमान (कहानी)

निर्देश के अनुसार वाक्य लिखकर खाली जगह को भरिए-

वर्तमान काल	भूतकाल	भविष्यत् काल
वह बहुत चिंतित है।	....	वह बहुत चिंतित रहेगा।
....	ऊँट एक आँख से अंधा था।	....
व्यापारी धनी है।	....	....
....	....	राजा सिंहासन पर बैठे रहेंगे।
....	....	ऊँट इधर से कुछ देर पहले गया होगा।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. तीनों मित्रों ने ऊँट के पैरों के निशान को ध्यान से देखने का निर्णय क्यों लिया होगा?

2. इस कहानी के नाटक में आप कौन-सा पात्र का अभिनय करना पसंद करेंगे और क्यों?

बिजूका (कविता)

हरे-भरे खेतों में देखो,
कैसे तनकर खड़ा बिजूका।
सिर पर कालिख वाली हांडी,
है चूने का टीका,
कुरता ढीला, फटा चीथड़ा,
तनिक न इसे सलीका,
हाथ-पाँव लकड़ी के इसके,
पर मन का है कड़ा बिजूका।
देख बिजूकती नीलगाय,
भैंसा और साँड़ भड़कते,
पास न फटके कोई पक्षी,
सूरत देख हड़कते,
पाँव जमाकर धरती में,
अपनी ड्यूटी पर अड़ा बिजूका।
कड़ी धूप हो, सर्दी हो,
अथवा नभ की बौछारें,
होता तनिक न विचलित यह,
सहकर मौसम की मारें,
वफ़ादार सैनिक जैसा,
रहता दम साधे पड़ा बिजूका।
है किसान का हमजोली,
और फ़सलों का रखवाला,
सब कुछ देखा करता है यह,
मुँह पर डाले ताला,
है बदरूप, उपेक्षित, फिर भी,
दोस्त खेत का बड़ा बिजूका।

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी
दिनांक- | दिन- | दिवस- 135

बिजूका (कविता)
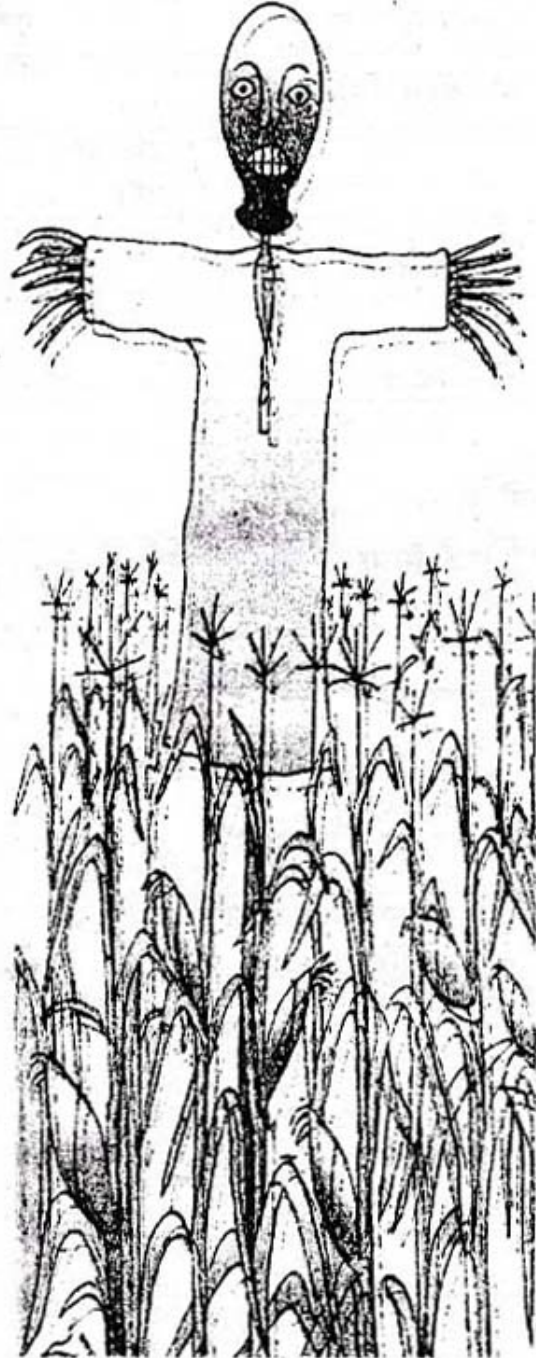
कविता में नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए और उनसे वाक्य बनाइए-

शब्द	अर्थ	वाक्य
सलीका		
सूरत		
हमजोली		
तनिक		
बिजूका		

उदाहरण की तरह कोई तीन शब्द-जोड़े बनाकर वाक्य में प्रयोग कीजिए-

शब्द-जोड़ा	वाक्य
हाथ-पाँव	बिजूका के हाथ-पाँव लकड़ी का होता है।
....	....
....	....
....	....

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) आप बिजूका के लिए कौन-सा शब्द प्रयोग में लाते है?

(ख) बिजूका के लिए और किन शब्दों का प्रयोग कर सकते है?

(ग) खेत में बिजूका को किस वेशभूषा में खड़ा किया जाता है? लिखिए

बिजूका (कविता)

दिए गए कविता की पंक्तियों को पढ़िए तथा उसका भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए-

हरे-भरे खेतों में देखो,
कैसे तनकर खड़ा बिजूका।
सिर पर कालिख वाली हांडी,
है चूने का टीका,
कुरता ढीला, फटा चीथड़ा,
तनिक न इसे सलीका।

नीचे दिए गए शब्दों की समान लय वाले अन्य शब्द बनाइए-

टीका - ________ ________ ________

खेत - ________ ________ ________

जैसा - ________ ________ ________

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) खेतों के बीच बिजूका को क्यों बनाया जाता है?

(ख) बिजूका किसानों का दोस्त किस प्रकार माना जाता है?

(ग) "मुँह पर डाले ताला" मुहावरा से आप क्या समझते है? लिखिए

बिजूका (कविता)

समान अर्थ वाले शब्दों को मिलाइए -

दोस्त	भूमि
तनिक	चिड़िया
धरती	मित्र
पक्षी	थोड़ा

बिजूका कविता में ''वफ़ादार सैनिक जैसा'' वाक्य का प्रयोग किया गया है। बताएं-

(क) ''वफ़ादार सैनिक जैसा'' का क्या मतलब है?

(ख) आप किन-किन कामों में वफ़ादार हैं?

(ग) आपके अनुसार सैनिक के जैसा और कौन-कौन वफ़ादार होता है? लिखिए

हरे-भरे खेत में खड़े बिजूका का चित्र बनाइए-

बिजूका (कविता)

नीचे दिए गए शब्दों के लिए दो-दो विशेषण वाले शब्द लिखिए-

(क) खेत - ....

(ख) धूप - ....

(ग) बिजूका - ....

(घ) धरती - ....

कविता की उन पंक्तियों को चुनकर लिखिए जिनमें कहा गया है-

(क) खेतों में बिजूका तनकर खड़ा रहता है।

(ख) बिजूका चुपचाप खड़ा रहकर फसलों की रखवाली करता रहता है।

(ग) बिजूका का चेहरा देखकर पक्षी उसके आस-पास नही भटकते है।

सोचकर लिखिए-

बिजूका को किसान का दोस्त माना जाता है।

बताइए, इनके दोस्त कौन-कौन हो सकते है-

- पेड़ - ....
- बच्चे - ....
- चिड़ियाँ - ....
- खेत - ....

बिजूका (कविता)

यदि बिजूका और खेत के फसल आपस में बातचीत करने लगें तो उनके बीच क्या बातचीत होगी? लिखिए-

कविता में जिस तरह बिजूका का वर्णन जीवित व्यक्ति से किया गया है। आप अपनी पसंद की किसी निर्जीव वस्तु का इसी तरह वर्णन करके लिखिए।

पत्र

अपने मित्र को पत्र लिखिए कि परीक्षा के बाद वह कुछ दिन आपके घर में बिताने के लिए आ जाए।

कक्षा- 3	ज्ञानशाला	हिन्दी
दिनांक-	दिन-	दिवस- 141

पत्र

गृह-प्रवेश के उपलक्ष्य में निमंत्रण-पत्र लिखिए।

कक्षा- 3 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक- | दिन- | दिवस- 142

पत्र

अपने प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

पत्र

बीमारी के कारण परीक्षा न दे सकने पर प्रधानाचार्य को 'चिकित्सा-अवकाश' के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

पवित्र नदी- गंगा

बच्चों! आप सभी ने महाभारत की कहानी पढ़ी होगी। उसमें गंगा भीष्म पितामह की माता है। यह गंगा केवल भीष्म पितामह की माता नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतवासियों की माता हैं। हम आपको गंगा के विषय में विस्तार से बताएँगे।

क्या आप जानते हैं कि गंगा नदी कहाँ से निकलती है? हिमालय के जिस उद्गम स्थान से गंगा नदी निकलती है, उसे 'गंगोत्री' कहते हैं। गंगा अपने उद्गम स्थान से चलकर सर्वप्रथम मैदानी भाग हरिद्वार में प्रवेश करती है। वहाँ से आगे चलकर कानपुर होती हुई वह प्रयाग पहुँचती है जहाँ उसका मिलन यमुना से होता है। वहाँ लोगों का मानना है कि इन दोनों नदियों के साथ-साथ अदृश्य रूप में सरस्वती भी यहीं मिलती है। इसलिए तीनों नदियों की मिलन स्थली होने के कारण इसे 'त्रिवेणी-संगम' कहा जाता है।

बड़े-बड़े महापुरुषों, ऋषियों, मुनियों ने संगम के माहात्म्य को देखकर इस स्थान को 'तीर्थराज' नाम से विभूषित किया। प्रयाग से आगे चलकर गंगा काशी होती हुई पटना पहुँचती है। वहाँ से आगे बढ़ती हुई कोलकता के पास सागर में जा मिलती है। गंगा, समुद्र में जिस स्थान पर मिलती है, उस स्थान को 'गंगा सागर' कहते हैं। अब यह स्थान हिन्दुओं का सबसे बड़ा तीर्थ है।

गंगा की इसी पवित्रता के कारण हम सभी इसे माता कहते हैं और विभिन्न नामों; जैसे-'गंगा माता', 'गंगा मैया' आदि से पुकारते हैं। इसके किनारे पर डर नहीं रहता। जब वर्षा नहीं होती तो किसान लोग इसके जल से अपने खेत सींचते हैं। गंगा नदी के दोनों ओर अनाज के हरे-भरे लहलहाते खेत देखकर आँखें तृप्त हो जाती हैं। इन खेतों से जो अनाज पैदा होता है, उससे हमारा पोषण होता है। इसके किनारे की शुद्ध तथा शीतल वायु के प्रभाव से बीमारी पास आने में सकुचाती है।

पवित्र नदी- गंगा
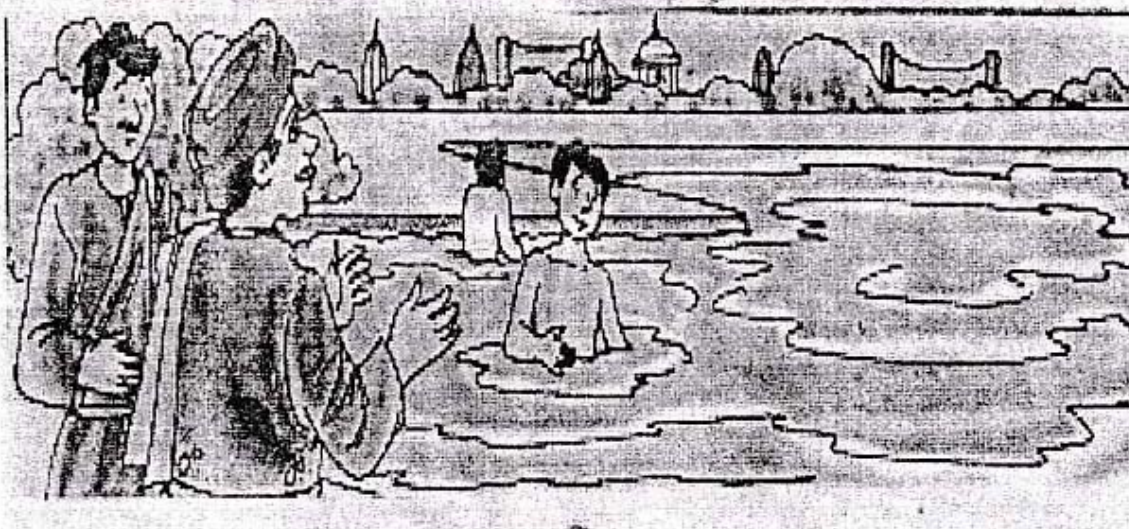
कभी आप शहर की गन्दी गलियों से घूमते हुए गंगा किनारे पहुँच जाएँ तो उस समय गंगा का रूप वात्सल्य की मूर्त्ति माँ जैसा लगता है। गंगा के जल-मार्ग के कारण इसके तट पर बसे शहर, नगर, गाँव आदि में उद्योग-धन्धों की बहुत अच्छी वृद्धि हुई है।
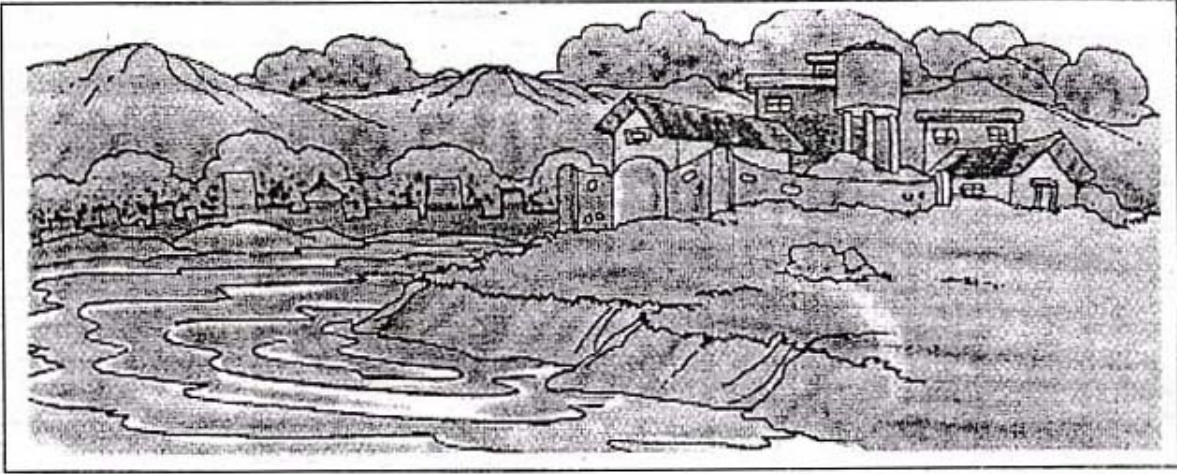
गंगा के तट पर बसा काशी तथा इसके पास बसे सारनाथ में भगवान बुद्ध ने सर्वप्रथम बौद्ध धर्म का उपदेश दिया था। अशोक और चन्द्रगुप्त जैसे सम्राटों के साम्राज्य इसके तट पर ही फले फूले। वाल्मीकि और व्यास जैसे ऋषियों ने इसके पवित्र और शांत प्रवाह के किनारे बड़े-बड़े ग्रन्थ रचे। कबीर और तुलसीदास ने गंगा की गोद में ही अपने भक्ति भरे भजन और गीत गाए।

गंगा के साथ भारतवर्ष का सारा इतिहास जुड़ा है। इसने उन्नत भारत का रूप देखा है। इसने भारत की गुलामी की करुण कहानी सुनी। आज यह इसका स्वतंत्रता से आनन्दित मुँह भी देख रही है। सचमुच गंगा के दर्शन से हमें अपने प्राचीन गौरव की याद आती है।

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी
दिनांक- | दिन- | दिवस- 145

पवित्र नदी- गंगा

कहानी में आए नए शब्दों को लिखिए-

शब्द के सही अर्थ पर सही (✓) का निशान लगाएँ एवं अर्थ से वाक्य बनाएँ-

1. माहात्म्य शब्द का सही अर्थ है?
   (क) महत्व (ख) ~~महत्तम~~ महिमा (ग) महात्मा
   वाक्य-
2. तृप्त शब्द का सही अर्थ है?
   (क) संतुष्ट (ख) खुश (ग) उदास
   वाक्य-
3. उद्‌गम शब्द का सही अर्थ है?
   (क) मध्य स्थान (ख) उत्पत्ति स्थान (ग) अंत स्थान
   वाक्य-
4. विभूषित शब्द का सही अर्थ है?
   (क) शोभित (ख) गहना (ग) अलंकार
   वाक्य-

कहानी में से सही शब्द छांटकर वाक्य को पूरा कीजिए-

1. हिमालय पर गंगा नदी का उद्‌गम स्थान .... है।
2. तीन नदियों की मिलन स्थली............ कहलाती है।
3. हिन्दुओं का पवित्र तीर्थस्थल .... है।
4. गंगा के किनारे की .... तथा .... वायु के प्रभाव से बीमारी पास आने में .... है।
5. गंगा के साथ भारतवर्ष का सारा .... जुड़ा है।

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी
दिनांक- | दिन- | दिवस- 146

पवित्र नदी- गंगा

शब्दों को शुद्ध करके लिखिए-

तिरिवेनी - त्रिवेणी	तरपत - तृप्त
अद्र्श्य - अदृश्य	सरस्वति - सरस्वती
विभुशित - विभूषित	पवीत्रता - पवित्रता

सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए-

1. भीष्म पितामह की माता हैं-
   (क) सरस्वती (ख) गंगा ✓ (ग) यमुना
2. हिन्दुओं का बड़ा तीर्थ है-
   (क) गंगासागर ✓ (ख) सुखसागर (ग) प्रेमसागर
3. गंगा की गोद में ही अपने भक्ति भरे भजन गाये-
   (क) कबीर (ख) तुलसी (ग) दोनों ने ✓

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. भीष्म पितामह की माता कौन है?

2. प्रयाग में गंगा का मिलन किससे होता है?

3. गंगा को हम माता क्यों कहते है?

4. गंगा कोलकता के पास किसमें जा मिलती है?

पवित्र नदी- गंगा

किसको क्या कहते हैं लिखिए-

तीन नदियों की मिलन स्थली - त्रिवेणी - संगम

गंगा का समुद्र में जिस स्थान पर मिलन- गंगा-सागर

गंगा का हिमालय के जिस स्थान पर उद्गम - गंगोत्री

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. 'शुद्ध और शीतल' हवा हमें बीमारी से बचाती है लेकिन हवा हमें बीमार कर देती है-

   (क) सुन्दर हवा
   (ख) तेज हवा
   (ग) ठंडी हवा
   (घ) अशुद्ध और गर्म

2. पाठ में किसके बारे में बात की गयी है?

3. हिमालय के उद्गम से जो नदी निकलती है उसे क्या कहते हैं?

4. किस स्थान को त्रिवेणी संगम कहते हैं?

5. प्रयाग को तीर्थराज क्यों कहा गया है?

पवित्र नदी- गंगा

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. हिन्दुओं का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान कौन-सा है?

2. गंगा को और किन-किन नामों से जानते हैं?

3. गंगा के जल मार्ग के कारण किसमें वृद्धि हुई है?

4. भगवान बुद्ध ने सर्वप्रथम बौद्ध धर्म का उपदेश कहाँ दिया?

5. गंगा नदी के तट पर ग्रन्थों की रचना किन दो ऋषियों ने की?

6. भक्ति भरे भजन तथा गीत किन दो कवियों ने गाये?

7. नदियों के किनारे बसे उन शहरों की सूची बनाइए, जो तीर्थ स्थल भी हैं?

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी
दिनांक- | दिन- | दिवस- 149

पवित्र नदी- गंगा

शब्दों के अर्थ लिखकर उनसे वाक्य बनाइए-

(क) सकुचाती- अर्थ	शर्माना
वाक्य	
(ख) वृद्धि- अर्थ	बढ़ोतरी
वाक्य	
(ग) करुण- अर्थ	दयनीय
वाक्य	
(घ) वात्सल्य- अर्थ	स्नेह
वाक्य	
(च) प्रवाह- अर्थ	बहाव
वाक्य	
(छ) तीर्थराज- अर्थ	तीर्थ हेतु की गई यात्रा
वाक्य	

पहेली को समझकर जवाब लिखिए-

1.	बादल लेकर उड़ती हूँ, नही किसी को दिखती हूँ।	हवा
2.	लाल डिबिया में हैं पीले खाने, खानों में मोती के दाने।	अनार
3.	चौकी पर बैठी एक रानी, सिर पर आग बदन में पानी।	मोमबत्ती
4.	है पहाड़ से सागर तट तक काया। चले निरंतर बड़ी अनोखी माया।	नदी

कक्षा– 4
दिनांक–

ज्ञानशाला
दिन–

हिन्दी
दिवस– 150

निबंध

अपने किसी एक प्रिय खेल पर विस्तारपूर्वक निबंध लिखिए।

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक- | दिन- | दिवस- 151

निबंध

अपने किसी एक प्रिय पर्व पर विस्तारपूर्वक निबंध लिखिए।

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक- | दिन- | दिवस- 154

अपठित गद्यांश

पहाड़ी गाँवों में अक्सर बाघ का डर बना रहता है। जंगल कटने
की तलाश में बाघ कभी-कभी गाँव तक पहुँच जाता है। गेंवली गाँव में
हुआ। एक बाघ ने गाँव में घुसकर एक गाय को मार डाला। सुबह होते
खबर पूरे गाँव में फैल गई। गाँव के लोग डर गए कि यह बाघ कहीं फिर से आ
दूसरे पालतू जानवरों और किसी आदमी को ही अपना शिकार न बना ले। गाँव के लोग गोपाल आश्रम गए और उन लोगों ने मीरा बहन को अपनी चिंता बताई।

गाँव के लोगों ने अंत में तय किया कि बाघ को कैद कर लिया जाए। उसे कैद करने के लिए उन्होंने एक पिंजड़ा बनाया। पिंजड़े के अंदर एक बकरी बाँधी। योजना यह थी कि बकरी का मिमियाना सुनकर बाघ पिंजड़े की तरफ आएगा। पिंजड़े का दरवाजा इस प्रकार खुला हुआ बनाया गया था कि बाघ के अंदर घुसते ही वह दरवाजा झटके से बंद हो जाए। शाम होने तक पिंजड़े को ऐसी जगह पर रख दिया गया जहाँ बाघ अक्सर दिखाई देता था। यह जगह मीरा बहन के गोपाल आश्रम से ज्यादा दूर नहीं थी। रात बीती। सुबह की रोशनी होते ही लोग पिंजड़ा देखने निकल पड़े। उन्होंने दूर से देखा कि पिंजड़े का दरवाजा बंद है। वे यह सोचकर बहुत खुश हुए कि बाघ जरूर पिंजड़े में फँस गया होगा लेकिन जब वे पिंजड़े के पास पहुँचे तो क्या देखते हैं पिंजड़े में बाघ नहीं था।

ऊपर दिए हुए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. बाघ गाँव में क्यों आ जाता था?

2. पिंजड़े का दरवाजा कैसा था?

3. गाँव के लोग क्या सोचकर खुश हो रहे थे?

4. 'गाँव' शब्द का विलोम और समानार्थी शब्द लिखिए।

विलोम-

समानार्थी-

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी
दिनांक- दिन- दिवस- 153

अपठित गद्यांश

दिवस-152 में दिए गए कहानी के आधार पर खाली जगहों को भरिए -

1. बाघ ने गाँव में घुसकर ________ को मार डाला।
2. गाँव के लोग ________ आश्रम गए।
3. लोगों ने ________ को अपनी चिंता बताई।
4. बाघ को पकड़ने के लिए ________ बनाया गया।
5. सुबह की रौशनी होते ही लोग ________ देखने निकल पड़े।

शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

शब्द	अर्थ	वाक्य
तलाश -		
खबर-		
अक्सर -		
झटके से -		

कहानी के अनुसार वाक्यों में सही (✓) और गलत (✗) का निशान लगाइए-

1. बाघ चिड़ियाघर में रहता था। ( )
2. गाँव के लोग बाघ से डरे हुए थे। ( )
3. लोगों ने मीरा बहन को अपनी चिंता बताई। ( )
4. पिजड़े के अंदर एक बिल्ली बाँधी गई। ( )
5. अंत में बाघ पकड़ा गया। ( )

दिवस-152 में दिए गए अनुच्छेद में से सर्वनाम और विशेषण वाले शब्दों को छाँटकर लिखिए-

सर्वनाम वाले शब्द	विशेषण वाले शब्द

कक्षा– 4	ज्ञानशाला	हिन्दी
दिनांक–	दिन–	दिवस– 154

अपठित गद्यांश

चित्र आधारित कहानी लिखिए–

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी

दिनांक- दिन-

प्रकृति की सीख (कविता)
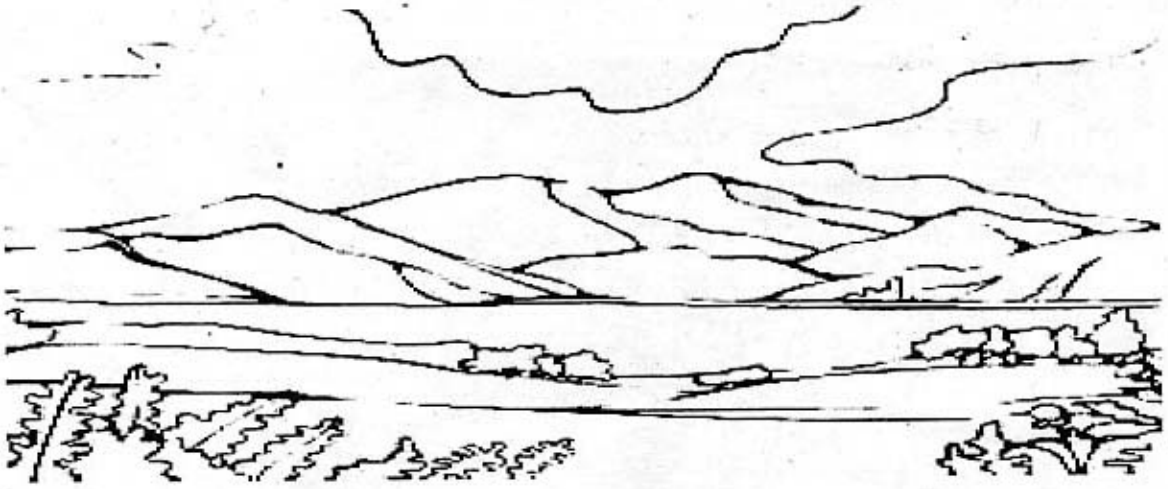
पर्वत कहता शीश उठाकर,

तुम भी ऊँचे बन जाओ।

सागर कहता है लहराकर,

मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है

उठ-उठ गिर-गिर तरल तरंग।

भर लो, भर लो अपने मन में,

मीठी-मीठी मृदुल उमंग।

पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो,

कितना ही हो सिर पर भार।

नभ कहता है, फैलो इतना,

ढक लो तुम सारा संसार।

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी
दिनांक- दिन- दिवस- 155

प्रकृति की सीख (कविता)

दी गई कविता की पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।

कविता के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. सागर की लहरों से हम ____________ सीखते हैं। सही कथन से वाक्य पूरा करें।

(क) उठकर बहना

(ख) उठकर गिरना

(ग) झट से झुकना

(घ) झट से कटना

2. सागर का अर्थ क्या है?

(क) नदी (ख) गंगा (ग) समुद्र

2. मृदुल का सही अर्थ इनमें से कौन-सा है?

(क) कठोर (ख) मीठा (ग) कोमल

3. उमंग का सही अर्थ इनमें से कौन-सा है?

(क) बाढ़ (ख) उल्लास (ग) उम्र

4. धैर्य का सही अर्थ इनमें से कौन-सा है?

(क) नम्रता (ख) आकार (ग) धीरज

प्रकृति की सीख (कविता)

कविता के अनुसार सही मिलान कीजिए-

पर्वत	धैर्य न छोड़ो
सागर	ढक लो तुम सारा संसार
तरंग	गहराई लाओ
पृथ्वी	हृदय में उमंग भर लो
नभ	ऊँचे बन जाओ

रेखांकित शब्दों का समानार्थी शब्द लिखकर वाक्य फिर से लिखिए-

पर्वत कहता शीश उठाकर

सागर कहता है लहराकर

पृथ्वी कहती धैर्य न छोड़ो

नभ कहता है, फैलो इतना

कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए-

क	पर्वत कहता .... शीश उठाकर,
ख	तुम भी .... बन जाओ।
ग	.... कहता है लहराकर,
घ	मन में .... लाओ।
च	.... रहे हो क्या कहती है,
छ	उठ-उठ गिर-गिर ....।
ज	भर लो, भर लो अपने .... में,
झ	मीठी-मीठी .... उमंग।

प्रकृति की सीख (कविता)

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. कविता में पर्वत क्या संदेश दे रहा है?

2. तरंग क्या कहती है?

3. संसार को ढक लेने की सीख कौन दे रहा है?

4. प्रकृति से हमें क्या-क्या सीख मिलती है?

5. सागर लहराकर क्या कहता है?

6. पृथ्वी से हमें क्या सीखने को मिलता है?

7. 'पृथ्वी' का दो समानार्थी शब्द लिखकर उससे वाक्य बनाइए।

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक- | दिन- | दिवस- 158

प्रकृति की सीख (कविता)

तुकांत वाले शब्द लिखिए-

जाओ - लाओ	तरंग - कुरंग, खुशरंग, बिरंग
मन - तन	संसार - प्रसार (विस्तार)
छोड़ो - मोड़ो	इतना - जितना

कविता की पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-

1. समझ रहे हो क्या कहती है,
उठ-उठ गिर-गिर तरल तरंग।

2. भर लो, भर लो अपने मन में,
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।

3. पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।

4. नभ कहता है, फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।

बुराई का बदला (कहानी)

किसी गाँव के किनारे एक खेत था। उस खेत में एक बाँबी में ज़हरीला साँप रहता था। वह भोजन की तलाश में अपनी बाँबी से निकलकर खेत में इधर-उधर घूमता रहता था। हाँ, यदि कोई व्यक्ति उसके समीप आ जाता तो उसे काट लेता था। उसके काटने से कई लोगों की मृत्यु हो चुकी थी। लोगों ने डर के मारे उस खेत की ओर जाना छोड़ दिया था।
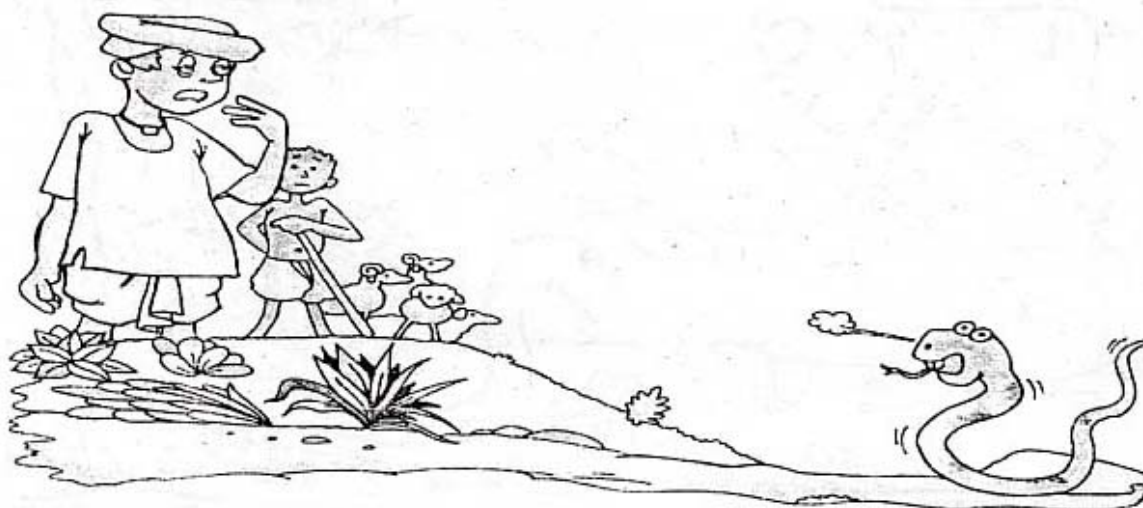
एक दिन गाँव के कुछ गड़रिये खेत से कुछ दूर अपनी भेड़ें चरा रहे थे। उन्होंने देखा कि एक महात्मा जी उसी खेत की ओर जा रहे हैं, जहाँ साँप की बाँबी थी।

गड़रिये चिल्लाए, ''महात्मा जी! तनिक रुकिए! इस खेत की ओर मत जाइए! वहाँ एक ज़हरीला साँप रहता है।''

महात्मा जी मंद-मंद मुस्कराए और बोले,''चिंता मत करो। मैं साँप को वश में करने का मंत्र जानता हूँ।'' महात्मा जी को अपनी ओर आता देख साँप फुँफकारता हुआ उनकी ओर बढ़ा। महात्मा जी घबराए नहीं। वह ज़ोर-ज़ोर से किसी मंत्र का उच्चारण करने लगे। मंत्र का उच्चारण सुनते ही साँप केंचुए की भाँति धरती पर लोटने लगा। तब महात्मा जी ने साँप के समीप जाकर कुछ कहा।

साँप ने पूछा, ''महाराज ! अब मुझे क्या करना होगा?''

महात्मा जी बोले, ''तुम लोगों को काटना छोड़ दो और मेरा बताया हुआ मंत्र जपते रहो। एक महीने बाद मैं तुमसे फिर मिलने आऊँगा।''

दिन बीतते गए। साँप ने लोगों को काटना छोड़ दिया। धीरे-धीरे साँप का भय लोगों के मन से जाता रहा। अब तो बच्चे उस पर कंकड़-पत्थर भी फेंकने लगे थे। बच्चों के डर से अब साँप केवल रात में ही बाहर निकलता था। भरपूर शिकार न

बुराई का बदला (कहानी)

मिलने के कारण धीरे-धीरे वह कमज़ोर होता गया।

इस प्रकार, एक महीना बीत गया। महात्मा जी वापस उसी खेत में आए। साँप ने उन्हें देखकर प्रणाम किया। महात्मा जी ने उसे कमज़ोर देखकर इसका कारण जानना चाहा। साँप ने उन्हें सारी बातें सच-सच बता दीं।
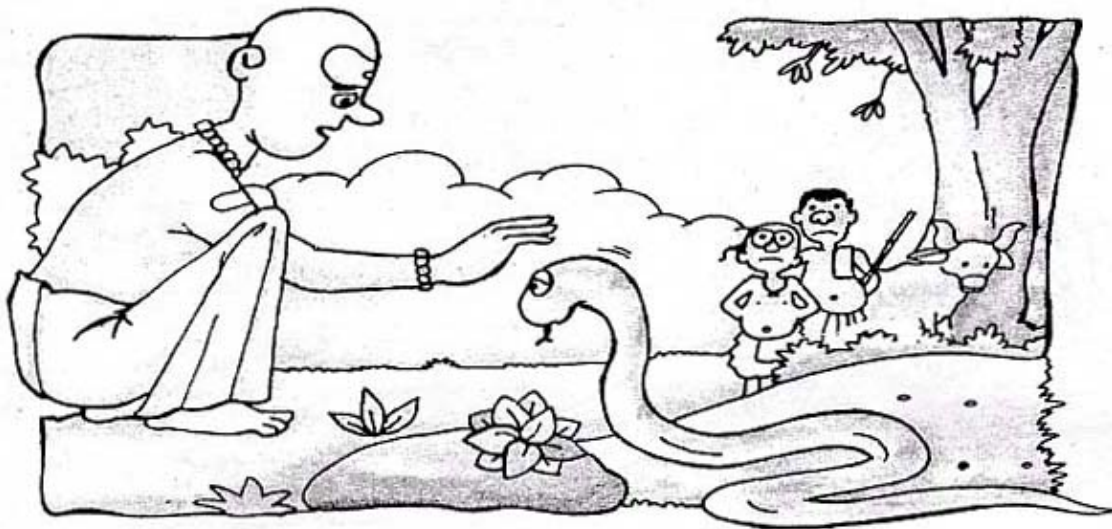
महात्मा जी ने साँप को समझाया,''बेटा, मैंने तो इतना ही कहा था कि किसी का अहित मत करो। मैंने यह कब कहा था कि दुर्व्यवहार व अत्याचार करने वालों से अपनी रक्षा न करो। तुम अपना विरोध प्रकट करने के लिए फुँफकार तो सकते थे।''

बच्चों, इस कहानी में एक बड़ी सीख छिपी है- हमें बुराई तथा अन्याय को चुपचाप सहन नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करके हम बुराई व अन्याय को बढ़ावा ही देते हैं। भले लोगों की फुँफकार ही बहुत होती है। बुरे लोगों में डटकर सामना करने का साहस नहीं होता। वे विरोध की फुँफकार सुनकर डरेंगे और भाग जाएँगे।

बुराई का बदला (कहानी)

दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए

एक दिन गाँव के कुछ गड़रिये खेत से कुछ दूर अपनी भेड़ें चरा रहें थे। उन्होंने देखा कि एक महात्मा जी उसी खेत की ओर जा रहे हैं, जहाँ साँप की बाँबी थी।

गड़रिये चिल्लाए, ''महात्मा जी! तनिक रुकिए! उस खेत की ओर मत जाइए! वहाँ एक ज़हरीला साँप रहता है।''

महात्मा जी मंद-मंद मुस्कराए और बोले,''चिंता मत करो। मैं साँप को वश में करने का मंत्र जानता हूँ।''

1. भेड़े कौन चरा रहा था?

2. गड़रिये ने महात्मा जी से क्या कहा?

3. ''मैं साँप को वश में करने का मंत्र जानता हूँ'' यह किसने और किससे कहा था?

4. 'महात्मा जी उसी की ओर जा रहे हैं, जहाँ साँप की बाँबी थी।'- इस वाक्य में 'साँप' का स्त्रीलिंग शब्द लिखिए।

5. 'बॉबी' और 'मंद-मंद' शब्द का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी

दिनांक- दिन- दिवस- 161

बुराई का बदला (कहानी)

कहानी में से सर्वनाम और विशेषण वाले शब्दों को छाँटकर सूची बनाइए-

सर्वनाम वाले शब्द	विशेषण वाले शब्द

कहानी के आधार पर वाक्यों के सामने (✓) या (✗) का निशान लगाइए-

1.	गाँव के किनारे एक बड़ा-सा तालाब था।	( )
2.	खेत की बाँवी में ज़हरीला साँप रहता था।	( )
3.	महात्मा जी साँप को वश में करने का मंत्र जानते थे।	( )
4.	मंत्र सुनकर साँप मगरमच्छ बन गया।	( )
5.	महात्मा जी तीन महीने के बाद साँप के पास आए।	( )

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. अपने बाँवी से निकलकर साँप क्या-क्या करता था?

2. महात्मा जी ने गड़रियों से क्या कहा?

3. 'एक दिन तेज बारिश के कारण मेरे घर में पानी भर गया। पानी में मैंने देखा कि एक साँप तैर रहा था।' इसके बाद क्या-क्या हुआ होगा, अपनी कल्पना से लिखिए।

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी
दिनांक- दिन- दिवस- 162

बुराई का बदला (कहानी)

दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

बाँबी - अर्थ

वाक्य

मंद-मंद - अर्थ

वाक्य

भय - अर्थ

वाक्य

दुर्व्यवहार - अर्थ

वाक्य

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. साँप के कमज़ोर होने का क्या कारण था?

2. महात्मा जी के द्वारा मंत्र पढ़ने के वाद साँप में क्या परिवर्तन हुआ?

3. 'बुराई का बदला' कहानी से आपको क्या सीख मिलती है?

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक- | दिन- | दिवस- 163

बुराई का बदला (कहानी)

निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों से बने एक-एक शब्द पाठ में से चुनकर और एक-एक शब्द अपने मन से भी लिखिए-

1.	क्त	....	....
2.	त्य	....	....
3.	त्म	....	....
4.	स्क	....	....
5.	ल्ल	....	....
6.	च्च	....	....

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन-भेद लिखिए-

1.	किसी गाँव के किनारे एक खेत था।	....
2.	लोगों ने डर के मारे उस खेत की ओर जाना छोड़ दिया।	....
3.	साँप केंचुए की भाँति धरती पर लोटने लगा।	....
4.	बच्चों के डर से अब साँप केवल रात को ही बाहर निकलता था।	....
5.	साँप ने उन्हें सारी बातें सच-सच बता दीं।	....
6.	बच्चे साँप पर कंकड़-पत्थर फेंकने लगे।	....

शब्द और उसके विलोम की जोड़ी लगाइए-

भय	न्याय
कमज़ोर	झूठ
समीप	निर्भय
अहित	विषहीन
सच	दूर
अन्याय	हित
ज़हरीला	ताकतवर
धीरे-धीरे	अच्छाई
रात	जल्दी-जल्दी
बुराई	दिन

बुराई का बदला (कहानी)

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. खेत के बॉबी में कौन रहता था?

2. लोगों ने किसके डर से और क्यों खेत की ओर जाना छोड़ दिया?

3. महात्मा जी ने लोगों को साँप से छुटकारा कैसे दिलाया?

4. इस पाठ में से तीन युग्म वाले शब्दों को चुनकर लिखिए एवं वाक्य बनाइए।

5. अगर आप उस गाँव के निवासी होते तो उस ज़हरीले साँप से गाँव वालों की रक्षा कैसे करते?

मुझको आवाज़ लगाना (कविता)
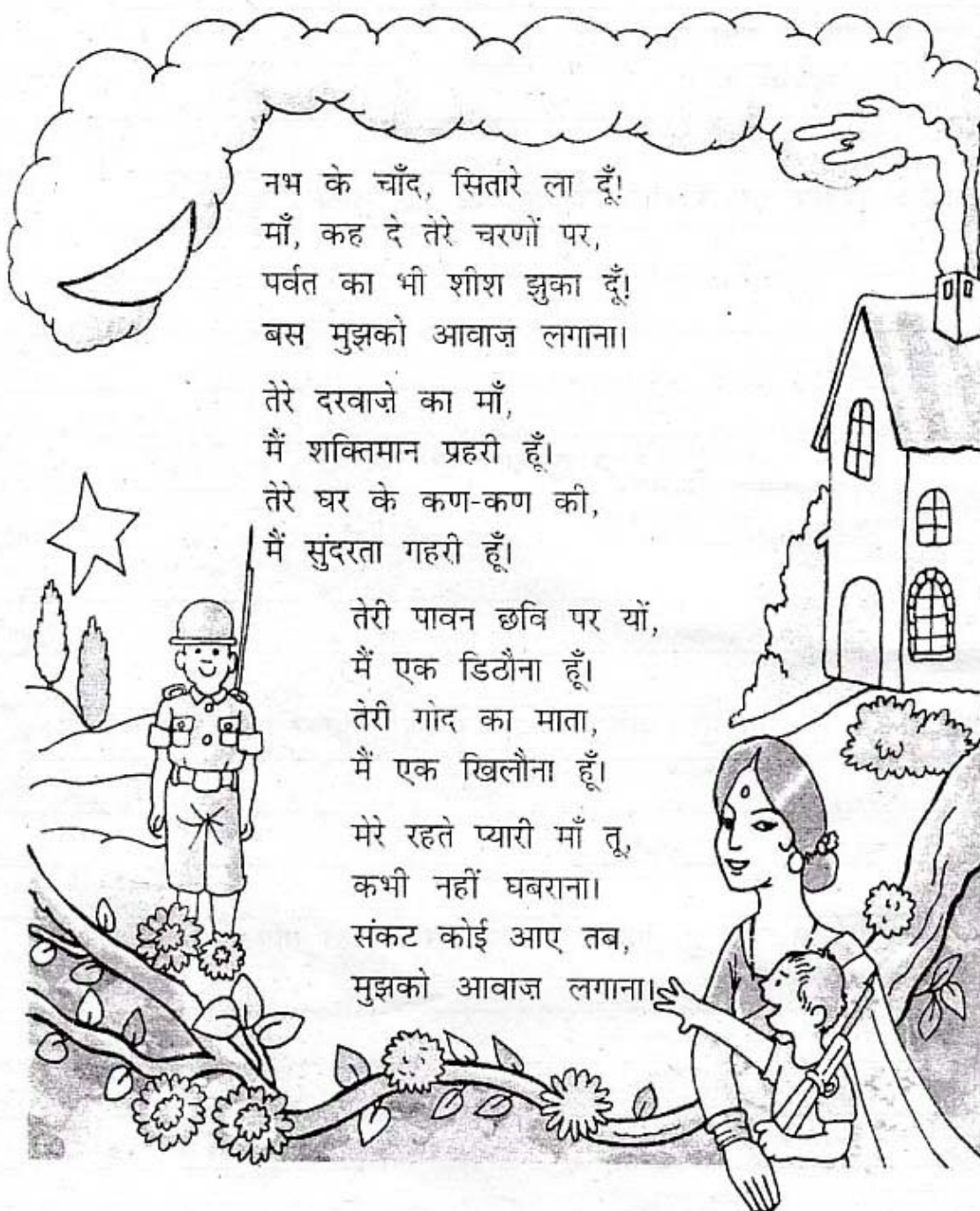
नभ के चाँद, सितारे ला दूँ!
माँ, कह दे तेरे चरणों पर,
पर्वत का भी शीश झुका दूँ!
बस मुझको आवाज़ लगाना।

तेरे दरवाज़े का माँ,
मैं शक्तिमान प्रहरी हूँ।
तेरे घर के कण-कण की,
मैं सुंदरता गहरी हूँ।

तेरी पावन छवि पर यों,
मैं एक डिठौना हूँ।
तेरी गोद का माता,
मैं एक खिलौना हूँ।

मेरे रहते प्यारी माँ तू,
कभी नहीं घबराना।
संकट कोई आए तब,
मुझको आवाज़ लगाना।

मुझको आवाज़ लगाना (कविता)

कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए और उसका भावार्थ लिखिए-

नभ के चाँद, ____________________

माँ, कह ____________________

पर्वत का भी ____________________

____________________ आवाज़ लगाना।

भावार्थ-

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) इस कविता में बालक और माँ शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(ख) 'नभ' और 'चाँद' के दो-दो समानार्थी लिखिए।

नभ-

चाँद-

(ग) भारत माँ के लिए कही गई बातों में से कौन-सी बात तुम्हें सबसे ज़्यादा अच्छी लगती है और क्यों? लिखिए

मुझको आवाज़ लगाना (कविता)

दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द कविता में से चुनकर लिखिए और वाक्य बनाइए-

(1) पैर-

वाक्य-

(2) पहाड़-

वाक्य-

(3) गृह-

वाक्य-

(4) चंद्रमा-

वाक्य-

(5) जननी-

वाक्य-

अपनी माँ का एक सुंदर-सा चित्र बनाकर चार पंक्तियों की एक कविता लिखिए-

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी

दिनांक- दिन- दिवस- 167

मुझको आवाज़ लगाना (कविता)

कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ लिखिए-

नभ-	शीश-
शक्तिमान-	प्रहरी-
पावन-	छवि-
डिठौना-	संकट-

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. बालक किसके दरवाज़े का शक्तिमान प्रहरी है?

2. बालक द्वारा अपने बारे में क्या-क्या बात कही गई है?

3. 'तेरे दरवाज़े का माँ', इस वाक्यांश में माँ किसे कहा गया है?

4. कविता में से सर्वनाम वाले शब्दों को छाँटकर लिखिए।

5. आप अपनी माँ के किन-किन कामों में हाथ बँटाते हैं? लिखिए

मुझको आवाज़ लगाना (कविता)

दी गई पंक्तियाँ पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

तेरे दरवाज़े का माँ,
मैं शक्तिमान प्रहरी हूँ।
तेरे घर के कण-कण की,
मैं सुंदरता गहरी हूँ।

1. बच्चा माँ को क्या कह रहा है?

2. 'घर' का तीन समानार्थी शब्द लिखिए।

3. 'माँ' शब्द का लिंग बदलकर लिखिए।

4. पंक्ति में आए विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए।

5. 'शक्तिमान' शब्द से वाक्य बनाइए।

कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

मेरे रहते ______________

______________ घबराना।

संकट ______________,

______________ लगाना।

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी

दिनांक- दिन-

दिवस- 169

मुझको आवाज़ लगाना (कविता)

दी गई पंक्तियाँ पढ़िए और उसका भावार्थ लिखिए-

तेरे दरवाजे का माँ,
मैं शक्तिमान प्रहरी हूँ।
तेरे घर के कण-कण की,
मैं सुंदरता गहरी हूँ।
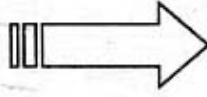
तेरी पावन छवि पर यों,
मैं एक डिठौना हूँ।
तेरी गोद का माता,
मैं एक खिलौना हूँ।
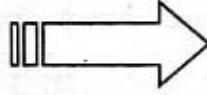
प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. 'मुझको आवाज़ लगाना' कविता के लिए कोई दो शीर्षक लिखिए।

2. यह भी बताइए कि आपने ये शीर्षक क्यों चुने है?

समूह से अलग शब्द पर घेरा लगाइए और कारण भी लिखिए-

शब्द-समूह	कारण
देखना, पतंग, उड़ना, खींचना	....
पीपल, बरगद, गुलाब, नीम	....
सुंदर, निर्दयी, नुकीला, तीर	....
तुम्हारा, उस, वे, पर्वत	....
खाना, सोना, फूल, बैठना	....
पानी, बिस्कुट, दूध, शरबत	....

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी
दिनांक- | दिन- | दिवस- 170

व्याकरण- सर्वनाम

खाली स्थान में उचित सर्वनाम शब्द लिखिए-

1.	दरवाज़ा खोलो, शायद ______ आया है।	(कुछ / कोई)
2.	______ गाना नही आता।	(मुझे / मेरे)
3.	वहाँ ______ बैठा है?	(कौन / क्या)
4.	______ मेरी घड़ी है।	(यह / वे)
5.	मुझे खाने के लिए ______ चाहिए।	(कोई / कुछ)
6.	______ मकान बहुत बड़ा है।	(आप / उसका)

नीचे लिखे वाक्यों में रेखाकित सर्वनाम शब्द किसके लिए आया है? लिखिए-

1.	शिवानी ने पेंसिल देखकर कहा- भाई, इसे दिखाना।	पेंसिल के लिए
2.	शीतल ने रोहन से कहा- तुम क्या कर रहे हो?	रोहन के लिए
3.	बिल्ली ने दूध पिया और वह वहाँ से भाग गई।	बिल्ली के लिए
4.	माता ने बेटे से कहा- मैं तुम्हारे लिए कपड़े लाई हूँ।	माता के लिए
5.	हुदहुद के पंख काले-काले होते हैं जिन पर मोटी सफेद धारियाँ बनी होती है।	पंख के लिए

नीचे लिखे वाक्यों में क्रियारूप को शुद्ध मानते हुए सही सर्वनाम का प्रयोग कर वाक्य फिर से लिखिए-

1.	क्या तुम पत्र लिख चुके हैं?
	क्या आप पत्र लिख चुके हैं?
2.	तू आज मेरे साथ फिल्म देखने चलो।
	तुम आज मेरे साथ फिल्म देखने चलो।
3.	आप सब कुछ भूल चुका हूँ।
	मैं सब कुछ भूल चुका हूँ।
4.	क्या आप दूध लाए हो?
	क्या तुम दूध लाए हो?
5.	यहाँ कई कमरे हैं तुम कौन-सा पसंद करेंगे?
	यहाँ कई कमरे हैं आप कौन-सा पसंद करेंगे?

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी
दिनांक- | दिन- | दिवस- 171

व्याकरण- संज्ञा

नीचे लिखे वाक्यों में कोष्ठक में से जातिवाचक संज्ञा वाले शब्द भरकर वाक्य पूरा कीजिए-

(पाठशाला, नदी, मोर, किताबें, पहाड़, कक्षा, फुटबॉल, पक्षी, शिकारी, आम)

1.	मुझे पहाड़ ______ पर चढ़ना अच्छा लगता है।
2.	शिकारी ______ ने सिंह का शिकार किया।
3.	मेरी पाठशाला ______ में कल छुट्टी थी।
4.	मेरी कक्षा ______ में तीस लड़के पढ़ते हैं।
5.	आज नदी ______ के पास बहुत भीड़ थी।
6.	मोर ______ एक सुंदर पक्षी है।
7.	आकाश में पक्षी ______ उड़ते हैं।
8.	बालक फुटबाल ______ से खेल रहा है।
9.	मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत किताबें ______ हैं।
10.	यह आम ______ बहुत मीठा है।

निम्नलिखित व्यक्तिवाचक संज्ञाओं में से सही संज्ञा चुनकर नीचे लिखे वाक्यों को पूरा कीजिए-

(सुरेश, गंगा, शीला, मोहन, नर्मदा, यमुना, दिल्ली)

1.	मोहन ______ उस बूढ़े को अंदर ले गया।
2.	भारत की राजधानी दिल्ली ______ है।
3.	गंगा ______, यमुना ______ और नर्मदा ______ भारत की प्रसिद्ध नदियाँ हैं।
4.	शीला ______ खाना बना रही है।
5.	सुरेश ______ के पिता ने गीता भेजी थी।

निम्नलिखित संज्ञाएँ किस प्रकार की हैं? लिखिए-

1.	सुंदरता - भाववाचक संज्ञा
2.	गंगा - व्यक्तिवाचक संज्ञा
3.	सैनिक - समूहवाचक संज्ञा।
4.	मनुष्य - जातिवाचक संज्ञा।

कक्षा- 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी

दिनांक- | दिन- | दिवस- 172

व्याकरण- विशेषण

दिए गए वाक्यों में से विशेषण वाले शब्दों को छाँटकर लिखिए-

1.	यह सितारा चमकीला है।	चमकीला
2.	यह साँप विषैला है।	विषैला
3.	शहर के सारे निचले हिस्से पानी से भरे हैं।	निचले हिस्से
4.	यह घटना अनोखी है।	अनोखी
5.	सभा में अनेक विद्वान पुरुष उपस्थित थे।	विद्वान
6.	ये अध्यापक अत्यंत बुद्धिमान हैं।	अत्यंत
7.	उसकी गुलाबी फ्रॉक सुंदर है।	गुलाबी

निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त विशेषण शब्दों द्वारा कीजिए-

1. गुलाब का फूल आकर्षक होता है।
2. उनके घर में एक काली गाय है।
3. चाँदनी रात मोहक होती है।
4. चारों ओर घना अंधकार है।
5. आपने सरल उपाय सोचा है।

निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम और विशेषण वाले शब्दों को अलग कीजिए-

वाक्य	सर्वनाम	विशेषण
1. उसका प्रवचन मधुर है।	उसका	मधुर
2. मुझे थोड़ा पानी पिलाओ।	मुझे	थोड़ा
3. तुम्हारे पास सैकड़ों रुपये हैं।	तुम्हारे	सैकड़ों

दिए गए विशेषण वाले शब्दों से वाक्य बनाइए-

पीला -

दयालु -

गुणवान -

प्यासा -

पतली -

कक्षा– 4 | ज्ञानशाला | हिन्दी
दिनांक– | दिन– | दिवस– 173

व्याकरण– क्रिया

वाक्यों के अनुसार सही क्रिया शब्द पर (✓) का निशान लगाइए–

1. मोहन पढ़ रहा है।

(क) मोहन (ख) रहा है (ग) पढ़ रहा है ✓

2. वह दिल्ली में रहती है।

(क) वह (ख) दिल्ली (ग) रहती है ✓

3. राधा को पुरस्कार मिलेगा।

(क) राधा (ख) पुरस्कार (ग) मिलेगा ✓

4. वेदांत ने कपड़े खरीदे।

(क) वेदांत (ख) खरीदे ✓ (ग) कपड़े

5. माता जी खाना बना रही हैं।

(क) बना रही हैं ✓ (ख) माता जी (ग) खाना

नीचे गद्यांश में आए क्रिया पदों को छाँटकर लिखिए–

सुबह स्नान करने के बाद बावा भारती के पाँव रोज़ की तरह अस्तबल की ओर बढ़ गए। फाटक पर पहुँचकर उन्हें अपनी भूल का पता चला। वे वहीं रुक गए। सुलतान ने बाबा के पैरों की आवाज़ पहचान ली और वह हिनहिनाया। वे खुशी से दौड़ते हुए अंदर घुसे और घोड़े के गले से लिपट गए।

क्रिया शब्द पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) खान-पान ☐	त्योहार ☐	मनाना ☑	होली ☐
(ख) चलना ☑	खेत ☐	फूल ☐	घोड़ा ☐
(ग) पहाड़ ☐	देखना ☑	उजाला ☐	सुंदर ☐
(घ) रोना ☑	औरत ☐	शिक्षक ☐	झगड़ा ☐
(च) बातें ☐	बोलना ☑	गप्पे ☐	दोस्ती ☐
(छ) गाय ☐	तबेला ☐	चरना ☑	किसान ☐

व्याकरण- काल/कारक

नीचे लिखे वाक्यों को पढ़कर काल का रुप लिखिए-

1.	मार्च के बाद हमारा स्कूल बंद हो जाएगा।	भविष्यत काल
2.	परसों हमारी हिन्दी की परीक्षा हुई थी।	भूतकाल
3.	अनिल कक्षा में किताब पढ़ रहा है।	वर्तमान काल
4.	कल मैं काम नहीं कर सकूँगा।	भविष्य काल
5.	मैं मसूरी गया था।	भूतकाल

निर्देशानुसार काल बदलकर वाक्य लिखिए-

(क) मैंने कल आम खाया था। (भविष्यकाल)

मैं कल आम खाऊँगा।

(ख) हम कल मैदान में खेलेंगे। (भूतकाल)

हम कल मैदान में खेले थे।

(ग) मैंने काम कर लिया है। (वर्तमानकाल)

मैं काम कर रहा हूँ।

नीचे लिखे वाक्यों में सही विभक्ति चुनकर लिखिए-

(के लिए, पर, के, हे राम, में, को, से)

1.	महात्मा बुद्ध एक वृक्ष के नीचे बैठकर विश्राम कर रहे थे।
2.	हे राम ! यह तुमने क्या कर डाला?
3.	डाल पर चिड़ियाँ गाती हैं।
4.	आलमारी में मेरी किताबें नहीं हैं।
5.	गया पटना से साठ किलोमीटर दूर है।
6.	राम कलम से लिखता है।
7.	पिता पुत्र को समझाता है।
8.	किसी को पता नहीं कि उसके भाग्य में क्या लिखा है।
9.	रात को आकाश में तारे चमकते हैं।
10.	मोहन जाने के लिए तैयार है।

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी
दिनांक- दिन- दिवस- 175

वार्षिक पुनरावर्तन

नीचे लिखी कविता की पंक्तियाँ पढ़िए और उसका भावार्थ खाली बॉक्स में लिखिए-

1.	सूरज की किरणें आती हैं, सारी कलियाँ खिल जाती हैं। अंधकार सब खो जाता है, सब जग सुंदर हो जाता है।	
2.	पाँव जमाकर धरती में, अपनी ड्यूटी पर अड़ा बिजूका। कड़ी धूप हो, सर्दी हो, अथवा नभ की बौछारें, होता तनिक न विचलित यह, सहकर मौसम की मारें।	

रेखांकित शब्दों के अर्थ ढूँढ़कर ✓ का निशान लगाएं और वाक्य बनाइए-

1. <u>सागर</u> का अर्थ क्या है?

(क) नदी (ख) गंगा (ग) समुद्र

वाक्य-

2. <u>स्वर</u> का अर्थ क्या है?

(क) आवाज़ (ख) सुंदर (ग) सुहानी

वाक्य-

3. <u>धैर्य</u> का सही अर्थ इनमें से कौन-सा है?

(क) नम्रता (ख) आकार (ग) धीरज

वाक्य-

4. <u>प्रहरी</u> का सही अर्थ इनमें से कौन-सा है?

(क) परेशान (ख) पहरेदार (ग) पकवान

वाक्य-

वार्षिक पुनरावर्तन

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. राजा कृष्णदेवराय कहाँ के राजा थे?

2. 'धूर्त बंदर' कहानी में बंदर में क्या परिवर्तन आए?

3. मातृभूमि पर संकट आने पर बालक क्या चाहता है?

4. महात्मा जी ने साँप को क्या राय दी?

5. बिजूका किस काम में आता है?

6. प्रयाग को तीर्थराज क्यों कहा गया है?

7. गंगा नदी के तट पर ग्रन्थों की रचना किन दो ऋषियों ने की?

वार्षिक पुनरावर्तन

दीना काफी खुशहाल था। उसके संतोष में कोई कमी न रहती, अगर पड़ोसियों की तरफ से पूरा चैन मिल सकता। कभी-कभी उसके खेतों पर पड़ोसियों के मवेशी आ चरते। दीना ने बहुत विनय के साथ समझाया, लेकिन कुछ फर्क नहीं हुआ। एक अर्स तक वह धीरज रखे रहा और किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की; लेकिन कब-तक? आखिर उसका धीरज टूट गया और उसने अदालत में दरख्वास्त दी। नतीजा यह हुआ कि दो-तीन किसानों पर अदालत से जुर्माना हो गया। इस पर तो <u>पास-पड़ोस</u> के लोग दीना से कीना रखने लगे।

ऊपर दिए हुए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।

(क) मवेशी-	(घ) धीरज- ....
(ख) फर्क-	(च) नतीजा- ....
(ग) खिलाफ-	(छ) दरख्वास्त- ....

2. ऊपर दिए हुए अनुच्छेद से एक मुहावरा चुनकर उसका अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

मुहावरा .... अर्थ ....

वाक्य ....

3. अनुच्छेद में रेखांकित शब्द की तरह अन्य चार जोड़े शब्द लिखिए।

....

4. अगर पड़ोसियों की तरफ से पूरा चैन मिलता तो इसका दीना पर क्या प्रभाव पड़ता?

वार्षिक पुनरावर्तन

दिए गए पंक्तियों को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

नहीं गंदगी को तुम पालो,
बात यहीं मन में धारो।
जीवन में नव-ज्योति जगाओ,
दीप स्वच्छता का बारो।

1. कवि किसे नहीं पालने को कह रहे हैं?

2. जीवन में क्या जगाना आवश्यक है?

3. 'स्वच्छता' का अर्थ लिखिए।

4. 'जीवन' और 'गंदगी' के विलोम शब्द लिखिए।
   जीवन-
   गंदगी-

5. 'स्वच्छता' विषय पर एक नारा बनाइए।

6. अपने घर में साफ-सफाई पर आप किस प्रकार ध्यान देंगे? लिखिए

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी

दिनांक- दिन- दिवस- 179

वार्षिक पुनरावर्तन

अपने मित्र के पास एक पत्र लिखिए जिसमें उनको अपनी बहन की शादी के अवसर पर आमंत्रित कीजिए -

वार्षिक पुनरावर्तन

अपनी बीमारी के कारण एक सप्ताह की छुट्टी के लिए अपने प्रधानाध्यापक को आवेदन पत्र लिखिए -

कक्षा- 4 ज्ञानशाला हिन्दी

दिनांक- दिन- दिवस- 181

वार्षिक पुनरावर्तन

'दुर्गापूजा' पर विस्तारपूर्वक निबंध लिखिए -

वार्षिक पुनरावर्तन

एक खिलौना दुकान का विज्ञापन बनाइए और उससे संबंधित चार प्रश्न और उत्तर लिखिए-

1.

2.

3.

4.